हिन्दी

Class -12 Model Paper 2021

समय : 3 घण्टे 15 मिनट]

निर्देश : (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड - क

प्र० 1. (क) **विधा की दृष्टि से 'वोल्गा से गंगा' है–** 1

(i) उपन्यास (ii) कहानी-संग्रह

(iii) यात्रावृतान्त (iv) आत्मकथा

(ख) **अज्ञेय का 'सन्नाटा' लेख किस निबन्ध-संग्रह में संकलित है?** 1

(i) त्रिशंकु (ii) आत्मनेपद

(iii) सब रंग और कुछ राग (iv) लिखि कागद कोरे

(ग) **हिन्दी साहित्य में व्यंग्य के आधार स्तम्भ हैं–** 1

(i) श्यामसुन्दर दास (ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(iii) हरिशंकर परसाई (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी

(घ) **सम्पूर्णानन्द द्वारा सम्पादित पत्रिका है–** 1

(i) सारिका (ii) मर्यादा (iii) दिनमान (iv) धर्मयुग

(ङ) **हजारीप्रसाद द्विवेदी की रचना है–** 1

(i) अशोक के फूल (ii) त्याग-पत्र

(iii) विद्या सुन्दर (iv) कोठरी की बात

प्र० 2. (क) **निम्नलिखित में से प्रयोगवादी कवि कौन हैं?** 1

(i) भूषण (ii) बिहारी

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त (iv) 'अज्ञेय'

(ख) **'साकेत' के रचनाकार हैं–** 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) दिनकर

(iii) मैथिलीशरण गुप्त (iv) भगवतीचरण वर्मा

(ग) **'दीपशिखा' का रचयिता कौन है?** 1

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ii) महादेवी वर्मा

(iii) सुभद्राकुमारी चौहान (iv) मैथिलीशरण गुप्त

(घ) **'तारसप्तक' के सम्पादक हैं–** 1

(i) निराला (ii) महादेवी वर्मा

(iii) अज्ञेय (iv) श्यामनारायण पाण्डेय

(ङ) **वीरगाथा काल के कवि हैं–** 1

(i) भूषण (ii) केशवदास

(iii) चन्दबरदायी (iv) छत्रसाल

प्र० 3. **निम्नलिखित गद्यांश का संदर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए :** 2+2+2+2+2=10

भाषा सामाजिक भाव-प्रकटीकरण की सुबोधता के लिए ही उद्दिष्ट है, उसके अतिरिक्त उसकी जरूरत ही सोची नहीं जाती। इस उपयोगिता की सार्थकता समसामयिक सामाजिक चेतना में प्राप्त (द्रष्टव्य) अनेक प्रकारों की संश्लिष्टताओं की दुरूहता का परिहार करने में ही निहित है। कभी-कभी अन्य संस्कृतियों के प्रभाव से और अन्य जातियों के संसर्ग से भाषा में नये

शब्दों का प्रवेश होता है और इन शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द अपनी भाषा में न प्राप्त हों तो उन्हें वैसे ही अपनी भाषा में स्वीकार करने में किसी भी भाषा-भाषी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यही भाषा की आधुनिकता होती है। भाषा की सजीवता इस नवीनता को पूर्णतः आत्मसात् करने पर ही निर्भर करती है। भाषा 'म्यूजियम' की वस्तु नहीं है, उसकी स्वतः सिद्ध एक सहज गति है। जो सदैव नित्य नूतनता को ग्रहण कर चलनेवाली है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्धृत है?

(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं?

(iii) भाषा के उपयोगिता की सार्थकता किसमें निहित है?

(iv) प्रस्तुत गद्यांश में किसका स्पष्टीकरण किया गया है?

(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी हैं या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर, मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कद्र करता हूँ, क्योंकि समृद्धि अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आजादी को बनाए रखने में सहायक हैं। आप अपने आस-पास देखेंगे तो पाएँगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए। मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेगी। अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आपके अनंत तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे।

प्रश्न– (i) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) लेखक समृद्धि और अध्यात्म को आपस में विरोधी क्यों नहीं मानता?

(iii) समृद्धि से हमें क्या लाभ मिलता है?

(iv) प्रकृति का कोई काम पूर्ण मनोयोग से होता है; इसका आशय स्पष्ट कीजिए।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

प्र० 4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–2×5=10

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात।

जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।
(ii) श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है?
(iii) इस पद्यांश में किस प्रसंग का वर्णन है?
(iv) 'एक परदा यह झीना नील' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(v) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

अथवा

झूम-झूम मृदु गरज-गरज घन घोर
राग-अमर! अम्बर में भर निज रोर।
झर झर झर निर्झर-गिरि-सर में,
घर, मरु तरु-मर्मर सागर में,
सरित-तड़ित-गति-चकित पवन में
मन में, विजन-गहन-कानन में
आनन-आनन में, रव घोर कठोर-
राग-अमर! अम्बर में भर निज रोर!

(i) प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक व रचनाकार के नाम का उल्लेख कीजिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) 'अम्बर में भर निज रोर' किससे कहा गया है?
(iv) 'अमर राग' का क्या आशय है?
(v) 'रव घोर कठोर' किसके लिए कहा गया है?

प्र० 5. (क) **निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए–** **3 + 2 = 5**

(शब्द सीमा अधिकतम– 80 शब्द)

(i) पं० दीनदयाल उपाध्याय
(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) **निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए–** **3 + 2 = 5**

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iii) जयशंकर प्रसाद
(iv) मैथिलीशरण गुप्त

प्र० 6. कहानी-कला की दृष्टि से 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए। (शब्द सीमा अधिकतम– 80 शब्द) 5

अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्र० 7. **स्वपठित 'खण्डकाव्य' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए–** (शब्द सीमा अधिकतम– 80 शब्द) **5**

(क) 'रश्मिरथी' के नायक कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान नारी पात्र कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का सारांश लिखिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'त्यागपथी' के चतुर्थ सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा 'त्यागपथी' के आधार पर राज्यश्री का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड - ख

प्र० 8. (क) **निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए–** **2 + 5 = 7**

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः

कालिदासः अन्ये च भास-भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।

अथवा

यदा अयं षोडशवर्षदेशीयः आसीत् तदास्य कनीयसी भगिनी विषूचिकया पञ्चत्वं गता। वर्षत्रयानन्तरमस्य पितृव्योऽपि दिवंगतः। द्वयोरनयोः मृत्युं दृष्ट्वा आसीदस्य मनसि–कथमहं कथंवायं लोकः मृत्युभयात् मुक्तः स्यादिति चिन्तयतः एवास्य हृदि सहसैव वैराग्यप्रदीपः प्रज्वलितः। एकस्मिन् दिवसे अस्तंगते भगवति भास्वति मूलशङ्करः गृहमत्यजत्।

(ख) **निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए।** **2 + 5 = 7**

अनाकृष्टस्य विषयैर्विद्यानां पारदृश्वनः।
तस्य धर्मरतेरासीद् वृद्धत्वं जरसा बिना।।

अथवा

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

प्र० 9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संस्कृत उत्तर में दीजिए– $2+2=4$

(क) कः सर्वज्ञः भवति?

(ख) पुण्डरीकं कदा विकसति?

(ग) धीमतां कालः कथं गच्छति?

(घ) कः पाण्डवः दूतः अभवत्?

प्र० 10. (क) 'वीर' अथवा 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) 'रूपक' अथवा 'अनन्वय' अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'कुण्डलिया' में से किसी एक का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 2

प्र० 11. निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए– 9

(i) भारत में भ्रष्टाचार। (ii) मेरा प्रिय ग्रन्थ।

(iii) राष्ट्र भाषा का महत्त्व। (iv) प्रदूषण की समस्या।

(v) आतंकवाद।

प्र० 12. (क) (i) **'मोऽनुस्वारः' सन्धि है–** 1

(अ) विद्वान् + लिखति (ब) ककुभ् + प्रान्तः

(स) चक्रिन् + ढौकसे (द) गृहम् + गच्छति

(ii) **पौ + अकः की सन्धि है–** 1

(अ) पोअकः (ब) पावकः

(स) पावाकः (द) पोवाकः

(iii) **'हरि + चरति' की सन्धि है–** 1

(अ) हरीचरति (ब) हरिश्चरति

(स) हरिर्चरति (द) हरिच्चरति

(ख) **निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए–** $1+1=2$

(अ) महाजनः (ब) महादेवः (स) प्रतिगृहम्

प्र० 13. (क) (i) आत्मन् शब्द का सप्तमी एकवचन का रूप होगा– 1

(अ) आत्मनो (ब) आत्मनि

(स) आत्मनः (द) आत्मने

(ii) नामन् शब्द पञ्चमी विभक्ति के द्विवचन का रूप लिखिए। 1

(ख) (i) **स्था धातु लङ् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन का रूप होगा–** 1

(अ) अतिष्ठन् (ब) अतिष्ठत

(स) अतिष्ठाम (द) अतिष्ठाव

(ii) **'अपिबत्' का धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए।** 1

(ग) (i) **निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए–** 1

(अ) दृष्टः (ब) गत्वा (स) दत्वा

(ii) **निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए–** 1

(अ) रूपवान् (ब) धीमती (स) पूजयित्वा

(घ) **रेखांकित पदों में से किन्हीं दो में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे संबंधित नियम का उल्लेख कीजिए–** **1 + 1 = 2**

(i) ग्रामं परितः वृक्षाः सन्ति।

(ii) छात्रेषु अनिलः श्रेष्ठः।

(iii) तस्मै श्री गुरवे नमः।

प्र० 14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– **2 + 2 = 4**

(i) भिक्षुक आँख से काना है।

(ii) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

(iii) मैं कल दिल्ली जाऊँगा।

(iv) राम, सीता के साथ वन गये।